6 अप्रैल 2025 को आयोजित ओशन फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया

इकोफोल्क्स, एन.एफ.डी.सी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, एक्वासेल लिमिटेड और वीरमाता जीजाबाई भोसले वनस्पति उद्यान एवं प्राणी संग्रहालय, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

ओशन फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का आयोजन 6 अप्रैल 2025 को इकोफोल्क्स, नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एन.एफ.डी.सी.), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, एक्वासेल लिमिटेड और वीरमाता जीजाबाई भोसले वनस्पति उद्यान एवं प्राणी संग्रहालय, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

इस आयोजन का स्थल मुंबई के भायखला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले वनस्पति उद्यान एवं प्राणी संग्रहालय का 3डी ऑडिटोरियम था, जो वर्ष 1862 में स्थापित हुआ था। यह ऐसा प्राणी संग्रहालय है जहां पेंगुइन को सफलतापूर्वक रखा गया है। फिल्म फेस्टिवल के बाद गेटवे ऑफ इंडिया, मुंबई पर एक नौकायन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

यह आयोजन पिछले वर्ष आयोजित सीसंपोज़ियम 2.0 की कड़ी के रूप में किया गया था, जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने भी भागीदारी की थी। ओशन फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया और सीसंपोज़ियम ने समुद्र जैसे प्राकृतिक संसाधन पर जागरूकता बढ़ाने, और समुद्री संरक्षण तथा सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एक अहम मंच प्रदान किया। इसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों, बच्चों और समुदाय को फिल्मों और नौकायन गतिविधियों के माध्यम से समुद्री पारिस्थितिक तंत्र और उसके संरक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित करना था।

इस फेस्टिवल ने समुद्री विज्ञान के क्षेत्र में कार्य कर रहे विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और अन्य हितधारकों के बीच विचार-विमर्श और सहयोग की संभावनाओं को प्रोत्साहित किया।

उद्घाटन समारोह में नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक श्री डी. रामकृष्णन, इकोफोल्क्स के श्री परेश, एक्वासेल प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक ज़िया हाजीबॉय, वीरमाता जीजाबाई भोसले वनस्पति उद्यान एवं प्राणी संग्रहालय के जीव विज्ञानी डॉ. अभिषेक सातम, और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई की विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अर्पिता शर्मा उपस्थित थे। प्रसिद्ध विज्ञापन गुरु प्रहलाद कक्कड़ ने समुद्र संरक्षण पर विशेष संदेश के साथ कार्यक्रम को संबोधित किया।

फिल्मों की शुरुआत 'खलासीस ऑफ मलाबार' से हुई, जो केरल की समुद्री समुदाय और उनकी पारंपरिक नौसैनिक जीवनशैली का चित्रण करती है। इसके बाद प्रजातियों और आवासों की जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत एक फिल्म प्रदर्शित की गई, जो महाराष्ट्र के स्थानीय समुदायों और उनके द्वारा समुद्री जैव विविधता के साथ सह-अस्तित्व पर केंद्रित थी। साथ ही सिंधुदुर्ग के आचरा क्रीक और महाराष्ट्र में डॉल्फ़िन की उपस्थिति पर एक विशेष डॉक्यूमेंट्री भी प्रस्तुत की गई।

इसके पश्चात एन,एफ,डी,सी की मास्टरक्लास श्रृंखला के अंतर्गत एक विशेष सत्र हुआ, जिसमें कलाकार और फिल्म निर्माता दहनिया पैलो ने भाग लिया। उन्होंने महिलाओं के नेतृत्व में समुद्र संरक्षण के लिए नौकायन अभियानों का अनुभव साझा किया और समुद्र से मिली जीवन की सीखों पर प्रकाश डाला। इसके बाद लेस्ली की एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई, जिसमें स्कूबा डाइविंग के माध्यम से सभी के लिए समुद्र की पहुंच और उसकी समावेशिता को दर्शाया गया।

फेस्टिवल के समापन पर गेटवे ऑफ इंडिया पर एक्वासेल लिमिटेड द्वारा नौकायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के छात्रों ने भाग लिया और युवाओं को समुद्र संरक्षण के प्रति प्रेरित करने के लिए प्रह्लाद कक्कड़ द्वारा दिया गया एक संदेश रिकॉर्ड किया।

फिल्मों से लेकर नौकायन अनुभवों तक, ओशन फिल्म फेस्टिवल 2025 ने समुद्र और कहानी कहने की शक्ति को एक साथ जोड़ते हुए वैज्ञानिकों, फिल्म निर्माताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, छात्रों, बच्चों और नागरिक समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाकर समुद्री संरक्षण पर गहन चर्चा और विचार-विमर्श का अवसर प्रदान किया।

Ocean Film Festival of India organised on 6/4/25 by

Ecofolks, National Film Development Corporation (NFDC),

ICAR-Central Institute of Fisheries Education,

AquaSail Limited and Veermata Jijabai Bhosale Botanical Udyan and Zoo, Mumbai

Ocean Film Festival of India was organised on 6/4/25 by Ecofolks, National Film Development Corporation (NFDC), ICAR-Central Institute of Fisheries Education, AquaSail Ltd. and Veermata Jijabai Bhosale Botanical Udyan and Zoo, Mumbai.

The venue of the Ocean Film Festival of India was 3D Auditorium, Veermata Jijabai Bhosale Botanical Udyan and Zoo, Byculla which was established in 1862 & the only zoo in the country to successfully introduce the Penguins. followed by a Sailing Event at Gateway of India, Mumbai.

This Ocean Film Festival of India was organised in continuation to the SEAmposium 2.0 which was conducted last year where ICAR-CIFE, Mumbai was a partner. Ocean Film Festival of India & SEAmposium has served as an important platform for bringing together the stakeholders and driving action on this last big resource, 'The Ocean'; and in promoting awareness about the importance of marine conservation and sustainable practices. It aimed to educate students, faculty, children and the community on marine ecosystems and their preservation through films and sailing event.

This festival facilitated meaningful discussions among experts, researchers and stakeholders in the field of marine science and provide a platform for networking and collaboration among individuals and organizations interested in ocean conservation efforts.

The inauguration event was graced by Shri. D. Ramakrishnan, General Manager, National Film Development Council, Shri. Paresh Pimple, Ecofolks, Zia Hajeehboy, Director, Aquasail Pvt Ltd,. Dr. Abhishek Satam, Zoo biologist, Zoo, Veermata Jijabai Bhosale Botanical Udyan and Zoo, and Dr. Arpita Sharma, Head FEES and Principal Scientist, ICAR-CIFE, Mumbai. Renowned Advertising Guru Prahlad Kakkar provided special message on Ocean Conservation in his address.

The event started with screening of the film Khalasis of Malabar which was a portrayal of Kerala's maritime community and their seafaring traditions. Second film was under the Species and Habitats Awareness Programme in Maharashtra, with a focus on the local communities that coexist and thrive with them and a film on Achra Creek in Sindhudurg, Dolphins of Maharashtra.

This was followed by NFDC's Masterclass department on sailing by Ms. Dhaniyo Paio artist and film maker. She presented unique blending of experience of all women sailing for ocean preservation and Sailors' lessons from the sea. A film by Ms. Leslie on ocean accessibility to all in scuba diving was also presented.

This was followed by sailing event at the Gateway of India which was organised by Aqua sail Limited. CIFE students participated in the programme and recorded a message for youth on Ocean Conservation by Prhalad Kakkar renowned advertising Guru.

From films to sailing experiences, the Ocean Film Festival 2025 highlighted the power of storytelling and the sea by bringing together experts and thought leaders from various fields, including scientists, film makers, policymakers, academicians, students, children, and civil society, to engage in fruitful discussions on a range of topics for ocean conservation.